*नैक (NAAC) द्वारा “A” ग्रेड प्राप्त*

**महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा**

**Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha**

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

***(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)***

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

युवाओं की रचनात्मकता का गांव के विकास में करें प्रयोग- प्रो. गिरीश्वर मिश्र

हिंदी विवि में उन्नत भारत अभियान कार्यशाला का समापन

वर्धा दि. 4 मार्च 2016: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली तथा विश्वविद्यालय का महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय उन्नत भारत अभियान कार्यशाला का समापन सोमवार को हबीब तनवीर सभागार में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की अध्यक्षता में किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया की एकेडेमिक कमिटि के अध्यक्ष प्रो. वेद प्रकाश मिश्र, गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. चित्तरंजन मिश्र तथा महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. मनोज कुमार, वेद व्यास कुंडु मंचासीन थे।

अध्यक्षीय उदबोधन में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि गांव के विकास के बगैर भारत का विकास नहीं होगा। युवाओं की रचनात्मकता का उपयोग यदि गांव के विकास के लिए किया जाए तो गांव विकसित हो सकते हैं। उन्होंने हाल ही में संसद में प्रस्तुत बजट का उल्लेख करते हुए कहा कि अनेक वर्षों के बाद गांवों में सम्पन्नता लाने की दृष्टि से बजट में अच्छे प्रावधान किये गये हैं।

उन्होंने कहा कि गांधी और विनोबा की गांव के प्रति विकास दृष्टि को धरती पर उतारा जाए तो गांव अपने संसाधनों से और समृद्ध और सम्पन्न हो सकेंगे। उन्होंने उच्च शिक्षा के केंद्रों को गांवों से जोड़ने की बात करते हुए हाल ही में ग्राम गणेशपुर में विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के

सफलता पूर्वक सम्पन्न शिविर का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने वर्धा जिले के

पांच गावों को गोद लेकर वहां के विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है और इस दिशा में हमें गांवों से भी सकारात्मक सहयोग प्रदान हो रहा है।

प्रो. वेद प्रकाश मिश्र ने कहा कि आज का समाज मशीनी बन रहा है और ऐसे समाज में भावना और संवेदना नष्ट हो रही है। इस संवेदनशून्यता से बाहर आने के लिए इस प्रकार की कार्यशालाओं के आयोजन कारगर साबित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि मानवीय मूल्य जतन करने वाली संस्कृति देखने और समझने के लिए हमें गांव की ओर रूख करना होगा। इस अवसर पर प्रो. चित्तरंजन मिश्र, वेदव्यास कुंडु, डॉ. बसंत ने भी मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र के सहायक प्रोफेसर डॉ. शिव सिंह बघेल ने किया तथा आभार कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र ने माना। इस दौरान प्रतिभागी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।